



To,

The Principal Secretary

Raj Bhawan Bihar,
Patna

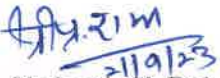
**Sub: ` Regarding submission of proposed course uniform syllabus of B.A. (Hons.)
Sanskrit for 3rd to 8th Semester of 4-Year Under Graduate Course, (CBCS).**

Reference :- Letter no. BSU (UGC) – 02/2023-1457/GS(I) Dated 14.09.2023

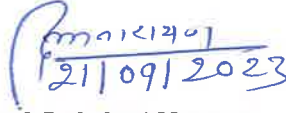
Sir,

In compliance with your letter no. BSU (UGC) – 02/2023-1457/GS(I) Dated 14.09.2023 followed by above mentioned letter no, we are submitting the proposed course syllabus of **B.A. (Hons) Sanskrit** for 3rd to 8th Semester of 4-Year Under Graduate Course, (CBCS) as per UGC Regulations.

Yours Sincerely,



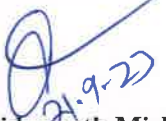
Prof. Shriprakash Rai
Professor, P.G. Dept. of Sanskrit
VKU, Ara.
Mob.- 943089582
Email – shriprakashrai71@gmail.com



Prof. Lakshmi Narayan
Professor & H.O.D., P.G. Dept. of
Sanskrit
Patna University, Patna
Mob.- 9263552107
Email – lakshminarayan129@gmail.com



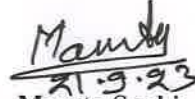
Prof. Mohan Mishra
Professor (Rtd.), P.G. Dept. of Sanskrit
TMBU, Bhagalpur.
Mob.- 9835438491
Email – mohanmishra.bgp@gmail.com



Prof. (Dr.) Baidyanath Mishra
Professor & H.O.D. , P.G. Dept. of
Sanskrit
J. P. University, Chhapara
Mob.- 8210623145
Email - bnmishra.jpu@gmail.com



Dr. Vishvajeet Kumar
H.O.D., Dept. of Sanskrit
R. D. & D. J. College,
Munger University, Munger
Mob.- 9213573212
Email – v.jeetverma@gmail.com



Dr. Mamta Snehi
P.G. Dept. of Sanskrit
LNMU, Darbhanga
Mob.- 9717491097
Email – mamtasnehi111@gmail.com



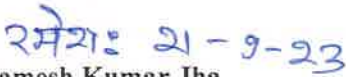
Dr. Shyam Kant Jha
Associate Professor,
P.G. Deptt. Of Sanskrit,
B.N.M.U, Madhepura
Mobile No. 9431804323
Email Id: shyamkantjha@mc@gmail.com



Prof. Manoj Kumar
Prof. & H.O.D.
P.G. Deptt. Of Sanskrit,
B.R.A.B.U., Muzaffarpur
Mobile No. 9430279555
Email Id: dr.nkbrabu@gmail.com



Dr. Rekha Rani
Associate Professor,
P.G. Deptt. Of Sanskrit,
B.D. College, P.P.U., Patna
Mobile No. 7970453282
Email Id: rekharani2260@gmail.com



Dr. Ramesh Kumar Jha
Assistant Professor
J.N.B. Adarsh Sanskrit Mahavidyalaya
Lagama, Darbhanga (CSU, New Delhi).
Mobile No. 7992449505
Email Id: rkjharimjim@gmail.com

MAJOR COURSES (MJC)

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit.

क्रम संख्या	संमेस्टर	Types of Course	Name of Course	Credit	Marks
1	I	MJC- 1	संस्कृत-व्याकरण	06	100
2	II	MJC- 2	संस्कृत पद्यकाव्य	06	100
3	III	MJC- 3	संस्कृत साहित्य का इतिहास	05	100
4	III	MJC- 4	वेद एवं उपनिषद्	04	100
5	IV	MJC- 5	संस्कृत-काव्यशास्त्र	05	100
6	IV	MJC- 6	संस्कृत-नाटक	05	100
7	IV	MJC- 7	संस्कृत-व्याकरण	05	100
8	V	MJC- 8	भारतीय दर्शन	05	100
9	V	MJC- 9	श्रीमद्भगवद्गीता	05	100
10	VI	MJC- 10	संस्कृत-गद्य-साहित्य	04	100
11	VI	MJC- 11	संस्कृत-व्याकरण	05	100
12	VI	MJC- 12	संस्कृत-रचना	05	100
13	VII	MJC- 13	संस्कृत-महाकाव्य	05	100
14	VII	MJC- 14	संस्कृत कथा-साहित्य	05	100
15	VII	MJC- 15	संस्कृत व्याकरण एवं भाषा विज्ञान	06	100
16	VIII	MJC- 16	शोध प्रविधि	04	100
Sub Total				80	1600

MINOR COURSES (MIC)

Minor Courses to be offered by the departments of Humanities.

क्रम संख्या	संमेस्टर	Types of Course	Name of Course	Credit	Marks
1.	I	MIC-1	संस्कृत -व्याकरण	03	100
2.	II	MIC-2	संस्कृत पद्यकाव्य	03	100
3.	III	MIC-3	संस्कृत गद्य-साहित्य	03	100
4.	IV	MIC-4	संस्कृत व्याकरण एवं सम्भाषण कौशल	03	100
5.	V	MIC-5	संस्कृत नाटक	03	100
6.	V	MIC-6	संस्कृत काव्यशास्त्र	03	100
7.	VI	MIC-7	संस्कृत नीतिकाव्य	03	100
8.	VI	MIC-8	संस्कृत साहित्य का इतिहास	03	100

श्रीकेशव
21/9/23मोहनशुभ
21-09-2023

रमेश

21-9-23

21-9-23

Rakesh
21.9.23

21-9-23

21-9-23

Manda
21-9-23

9.	VII	MIC-9	श्रीमद्भगवद्गीता	04	100
10.	VIII	MIC-10	भारतीय दर्शन	04	100
			Sub Total	32	1000
Multi Disciplinary COURSES (MDC)					
Multi Disciplinary Courses to be offered by the departments of Humanities, Commerce & Sciences.					
Sr. No.	Semester	Types of course	Name of Course	Credit	Marks
01	I	MDC-1	भारतीय संस्कृति	03	100
02	II	MDC-2	संस्कृत काव्य	03	100
03	III	MDC-3	संस्कृत वाङ्मय में वैज्ञानिक परम्परा	03	100
			Sub Total	09	300
AEC -MIL Sanskrit					
Sr. No.	Semester	Types of course	Name of Course	Credit	Marks
1	I	AEC-MIL Sanskrit	MIL Sanskrit	02	100

श्रीप्रकाश
21/9/23

मोहनसिन्हा
21-09-2023

श्री 21-9-23
21-9-23

गोविंदः

मोहन
21-9-23

Rekha
21-9-23

अरवि
21-9-2023

रमेशः

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)

MJC-III: संस्कृत साहित्य का इतिहास-वैदिक एवं लौकिक

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	संहिताओं का सामान्य परिचय एवं प्रतिपाद्य विषय।	8 Hours
2	ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदांगों का सामान्य परिचय।	8 Hours
3	रामायण, महाभारत एवं पुराणों का सामान्य परिचय।	8 Hours
4	महाकाव्य, रूपक एवं गीतिकाव्य का सामान्य परिचय।	8 Hours
5	गद्यकाव्य, कथा साहित्य एवं चम्पूकाव्य का सामान्य परिचय।	8 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा-	15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य-	10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन-	05 अंक
	<hr/> कुल-30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड-क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10x2=20 अंक।
खण्ड-ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में टिप्पणी प्रष्टव्य है।)	4x5=20 अंक।
खण्ड-ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।)	03x10=30 अंक।

कुल - 70 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:-

- वैदिक साहित्य और संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय(शारदामन्दिर वाराणसी)।
- वैदिक साहित्य का इतिहास, पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा, वाराणसी।
- वैदिक साहित्य का समालोचनात्मक इतिहास, प्रो० रामविलास चौधरी, MLBD ।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि (चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी)।
- वैदिक साहित्य का इतिहास, गजानन्द मुसलगांवकर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- A History of Indian Literature, Vol. II, Translated by Subhdra Jha, MLBD.
- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा, वाराणसी।
- संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामजी उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
- संस्कृतसाहित्येतिहासः, आचार्य रामचन्द्र मिश्र, चौखम्बा, वाराणसी।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।

अधिगम:-

पाठ्यक्रम सम्पन्न होने पर छात्र संस्कृत साहित्य (वैदिक एवं लौकिक) के प्रमुख पक्षों का सामान्य परिचय प्राप्त कर इसकी महत्ता को समझ सकेंगे। वेदों में निहित ज्ञान-विज्ञान अध्यात्म एवं दर्शन के रहस्यों से अवगत हो सकेंगे। वेदांगों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। वेदों के व्याख्यानरूप ब्राह्मणों, आरण्यकों एवं उपनिषदों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

सिधाम
21/9/23

सिधाम
21-09-2023

रमेश

सिधाम
21-9-23

3

सिधाम
21/9/23

सिधाम
21-9-2023

सिधाम
21-9-23

आदि काव्य रामायण की कथा से चरित्र निर्माण कर सकेंगे। महाभारत के परिचय से दुर्गुणों से निर्वृति एवं सद्गुणों की ओर प्रवृत्त हो सकेंगे। संस्कृत के महाकाव्य, नाट्य साहित्य, गीतिकाव्य आदि विधाओं के उद्भव एवं विकास परम्परा से परिचित होंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)

MJC-IV: वेद एवम् उपनिषद्।

Theory : 4 Credits+ Tutorial: 1 Credit = 5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	ऋग्वेदीय सूक्त-अग्नि(1.1) हिरण्यगर्भ(10.121)	10Hours
2	यजुर्वेदीय सूक्त- प्रजापति सूक्त (32.1-5), अथर्ववेदीय सूक्त-पृथिवी सूक्त (12.1-10)	10Hours
3	वैदिक व्याकरण-देवशब्दरूप, गम् धातु, लट् लकार।	10Hours
4	कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय प्रथम वल्ली)	10Hours
	Tutorial	10Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

- (I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा- 15 अंक
(II) संगोष्ठी/कवीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य- 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन- 05 अंक

कुल-30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

- खण्ड-क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । - 10x2=20 अंक।
खण्ड-ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में वैदिक मंत्रों एवं कठोपनिषद् के छः मंत्रों में से किन्हीं चार मंत्रों की व्याख्या अपेक्षित है।) - 4x5=20 अंक।
खण्ड-ग 3. दीर्घात्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) - 03x10=30 अंक।

कुल - 70 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:-

- ऋग्भाष्य संग्रह, डॉ० देवराज चानना, मुंशीलाल मनोहर दास, दिल्ली।
- प्राथमिक वेद संग्रह, पं० रघुवर मिठडूलाला शास्त्री और पं० चन्द्रिका प्रसाद शुक्ल।
- न्यू वैदिक सलेक्शन, डॉ० जमुना पाठक एवं उमेश प्रसाद सिंह, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- वैदिक व्याकरण, उमेश चन्द्र पाण्डेय चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
- वैदिक व्याकरण, डॉ० वीणा शर्मा, चौखम्बा ओरियण्टलिया, वाराणसी।
- कठोपनिषद्, डॉ० सुरेन्द्र देव शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
- कठोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर।
- कठोपनिषद्, डॉ० विजेन्द्र कुमार शर्मा, साहित्य भण्डार, मेरठ।

अधिगम:-

21/9/23

21.09.2023

21.09.23

21.9.23

4

21/9/2023

21.9.23

21.9.23

21.9.23

वैदिक संहिता के सूक्तों के अध्ययन से वैदिक भाषागत वैशिष्ट्य एवं उनमें सन्निहित ज्ञान, विज्ञान आध्यात्मिक तत्त्वों का परिचय प्राप्त करेंगे। वैदिक मन्त्रों के संहिता-पद-प्रभृति अष्टविध पाठों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

कठोपनिषद् के अध्ययन से आध्यात्मिक रुचि उत्पन्न होगी एवं वे मूल्यपरक जीवन की महत्ता से परिचित हो सकेंगे। गूढ दार्शनिक रहस्य एवं आत्मज्ञान से छात्र सुविज्ञ होंगे। आत्मा एवं परमात्मा का ब्रह्मविषयक ज्ञान से हमारे छात्र भलीभाँति परिचित होंगे।

मोहन लाल
21-09-2023

21-9-23

21-9-23

Om

Devi R.
21-9-23

Accept
21-9-2023

रमेश

Mank
21-9-23

21/9/23

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-IV (Pattern-70+30=100)

MJC-V: संस्कृत काव्यशास्त्र।

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	साहित्यदर्पण (प्रथम परिच्छेद)।	08 Hours
2	साहित्यदर्पण (द्वितीय परिच्छेद)।	08Hours
3	साहित्यदर्पण (षष्ठ परिच्छेद)।	08 Hours
4	साहित्यदर्पण (दशम परिच्छेद)। शब्दालंकार-अनुप्रास, यमक, श्लेष। अर्थालंकार- उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास, विभावना, काव्यलिंग, अतिशयोक्ति, विशेषोक्ति, सन्देह, भ्रान्तिमान्।	08 Hours
5	छन्द- आर्या अनुष्टुप, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थ, मन्दाक्रान्ता, मालिनी, शिखरिणी, हरिणी, स्रग्धरा, उपजाति, द्रुतविलम्बित, वसन्ततिलका भुजङ्गप्रयात शर्दूलविक्रीडित, स्रग्विणी।	08 Hours
	Tutorial	10Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

- (I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा- 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य- 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन- 05 अंक

कुल-30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

- खण्ड-क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । - 10x2=20 अंक।
खण्ड-ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के
उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में प्रदत्त छः छंदों में से
किन्हीं चार की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित हैं।) - 4x5=20 अंक।
खण्ड-ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के
उत्तर अपेक्षित हैं।) - 03x10=30 अंक।

कुल - 70 अंक

अनुशासित पुस्तकें:-

- साहित्यदर्पण- शालिग्राम शास्त्री, MLBD.
- साहित्यदर्पण- अभिराजराजेन्द्र मिश्र।
- साहित्यदर्पण-डॉ० सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
- साहित्यदर्पण- शेषराज रेग्मी, चौखम्बा, वाराणसी।
- छन्दोमंजरी- परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखम्बा, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
- वृत्तरत्नाकर- धरानन्द शास्त्री, MLBD.
- छन्दोमंजरी- पं० श्री जगन्नाथ शास्त्री तैलङ्ग, भारतीय विद्याप्रकाशन, दिल्ली।

अधिगम:-

21/9/23

21-09-2023
21/9/23

21-9-23

21-9-23

21/9/2023

21-9-23

21-9-23

21-9-23

साहित्यदर्पण के प्रथम परिच्छेद के अध्ययन से काव्य के लक्षण, प्रयोजन एवं हेतुओं का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। शब्द की त्रिविध शक्तियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। काव्य के विभिन्न प्रकारों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। काव्य में सन्निहित शब्दगत एवं अर्थगत अलंकारों का चमत्कार जान सकेंगे। छन्दों के वैविध्यपूर्ण ज्ञान से संस्कृत रचना कौशल एवं सौन्दर्य से परिचित होंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-IV (Pattern-70+30=100)

MJC-VI: संस्कृत नाटक।

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1Credit=5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	स्वप्नवासवदत्तम् (भास) (1-4 अंक)	10 Hours
2	स्वप्नवासवदत्तम् (भास) (5-6 अंक)	10 Hours
3	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदास) (1-4 अंक)	10 Hours
4	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदास) (5-7 अंक)	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

- (I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा- 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य- 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन- 05 अंक

कुल-30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

- खण्ड-क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । - 10x2=20 अंक।
खण्ड-ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में दोनों नाटकों से कुल छः श्लोकों में से किन्हीं चार श्लोकों की व्याख्या अपेक्षित है।) - 4x5=20 अंक।
खण्ड-ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) - 03x10=30 अंक।

कुल - 70 अंक

अनुशसित पुस्तकें:-

1. स्वप्नवासवदत्तम्- जयपाल विद्यालंकार, MLBD
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम्- बाबूराम त्रिपाठी, प्रकाशन, आगरा।
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम्- कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा, वाराणसी।
4. स्वप्नवासवदत्तम् - डॉ० मोहन मिश्र, जनरल बुक एजेंसी, पटना।
5. अभिज्ञानशाकुन्तलम्- सुबोधचन्द्रपन्त, MLBD .

श्रीप्रकाश
21/9/23

मोहन मिश्र
21.09.2023
अमरेश

21-9-23
7
21-9-23
21-9-23

21-9-23

मोहन
21-9-23

6. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – नारायणराम आचार्य, निर्णय सागर प्रेस।
7. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – C.R Devadhar, MLBD, Delhi.
8. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – M.R Kale, MLBD, Delhi.

अधिगमः—

नाटकों के अध्ययन के पश्चात् छात्र-छात्राओं के जीवन में सर्वांगीण, सामाजिक, रीति-रिवाजों एवं सांस्कृतिक महत्त्वों के मनोभाव विकसित होंगे।

तत्कालीन समाज का प्रतिबिम्बन उक्त नाटकों में अवलोकन करने के उपरान्त स्वकीय जीवन में आनन्द का अनुभव करेंगे। सत्य-शिव-सुन्दरम् की भावना उनके व्यक्तित्व में इन नाटकों के अध्ययन से विकसित हो सकेंगे। युवक-युवतियों के अंदर सौन्दर्यपरक ऐसी शास्त्र दृष्टि विकसित होगी, जो अर्वाचीन समय में समाज को गढ़ने एवं पढ़ने में सहायक सिद्ध होंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)

MJC-VII: व्याकरण-4।

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit=5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी) कर्ता, कर्म।	10Hours
2	कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी) करण, सम्प्रदान, अपादान।	10Hours
3	कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी) संबंध, अधिकरण।	10Hours
4	वाच्य- कर्तृ, कर्म और भाव (विशेषतः द्विकर्मक धातुओं के वाच्यपरिवर्तन)।	10Hours
	Tutorial	10Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

- (I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा- 15 अंक
(II) संगोष्ठी/कवीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य- 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन- 05 अंक

कुल-30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड-क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । - 10x2=20 अंक।

खण्ड-ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में छः सूत्रों में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है।) - 4x5=20 अंक।

खण्ड-ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (इस खंड में कारकों एवं वाच्य परिवर्तन से सम्बद्ध पाँच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के विश्लेषणात्मक/तुलनात्मक/वाच्यपरिवर्तनात्मक उत्तर अपेक्षित हैं।) - 03x10=30 अंक।

श्रीप्रकाश
21/9/23

मोहन मय
21-09-2023

अमिताभ

21-9-23
8
21-9-23

21-9-23
21-9-23

मन्दी
21-9-23

अनुशसित पुस्तकें:-

1. कारक-प्रकरण- धरानन्द शास्त्री।
2. कारक दर्शन-डॉ० कलानाथ झा।
3. रचनानुवाद कौमुदी- डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. बृहद अनुवाद चन्द्रिका- धरानन्द शास्त्री, MLBD .
- 5- Higher Sanskrit Grammar- M.R Kale.
6. Higher Sanskrit Grammar- M.R Kale का हिन्दी अनुवाद, रामनारायण लाल बेनीप्रसाद, इलाहाबाद।
7. संस्कृत स्वयं शिक्षक (भाग-I,II) - श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली।

अधिगम:-

संस्कृत रचना में परमोपयोगी कारक एवं विभक्ति का ज्ञान प्राप्त करेंगे। रचना कौशल की प्रवृत्ति बढ़ेगी। वाक्य कर्तृ कर्म एवं भाववाच्य द्वारा परिवर्तित करने की क्षमता का विकास होगा।

मोहन शर्मा
21-09-2023

21-9-23 21-9-23
Revised
21-9-23

21-9-23

Mand
21-9-23

21-9-2023
21-9-23

21-9-23

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-V (Pattern-70+30=100)

MJC-VIII: भारतीय दर्शन।

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय (आस्तिक, नास्तिकदर्शन)	10 Hours
2	तर्कसंग्रह-उद्देश्य प्रकरण (पदार्थ, द्रव्य, गुण, कर्म निरूपण)	10 Hours
3	तर्क संग्रह- लक्षण निरूपण (पृथिवी, जल, तेज, वायु, आकाश, काल दिक्, आत्मा, मन निरूपण)।	10 Hours
4	तर्क संग्रह-प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द परिच्छेद।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

- (I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा- 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य- 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन- 05 अंक

कुल-30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

- खण्ड-क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । - 10x2=20 अंक।
खण्ड-ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। इस खण्ड में प्रदत्त छः दार्शनिक उपविषयों (पदों) में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लेखन अपेक्षित है। - 4x5=20 अंक।
खण्ड-ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) - 03x10=30 अंक।

कुल - 70 अंक

अनुशासित ग्रन्थ:-

1. भारतीय दर्शन- हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, MLBD .
2. तर्क संग्रह- गोविन्दाचार्य, चौखम्बा सूरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. तर्क संग्रह-दयानन्द भार्गव, MLBD .
4. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका- धरानन्द शास्त्री, MLBD .
- 5- Higher Sanskrit Grammar- M.R Kale.
6. भारतीय दर्शन- डॉ० पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

अधिगम:-

भारतीय दर्शन से सुपरिचित होकर छात्र-छात्राएँ दार्शनिक बोध प्राप्त करने में समर्थ हो सकेंगे। जीवन एवं मरण, जीवात्मा एवं परमात्मा, ब्रह्म एवं माया, जीव-जगत् इत्यादि विषयों का तात्त्विक एवं पारमार्थिक बोध प्राप्त कर सकेंगे।

21/9/23

21-9-23

21-9-23

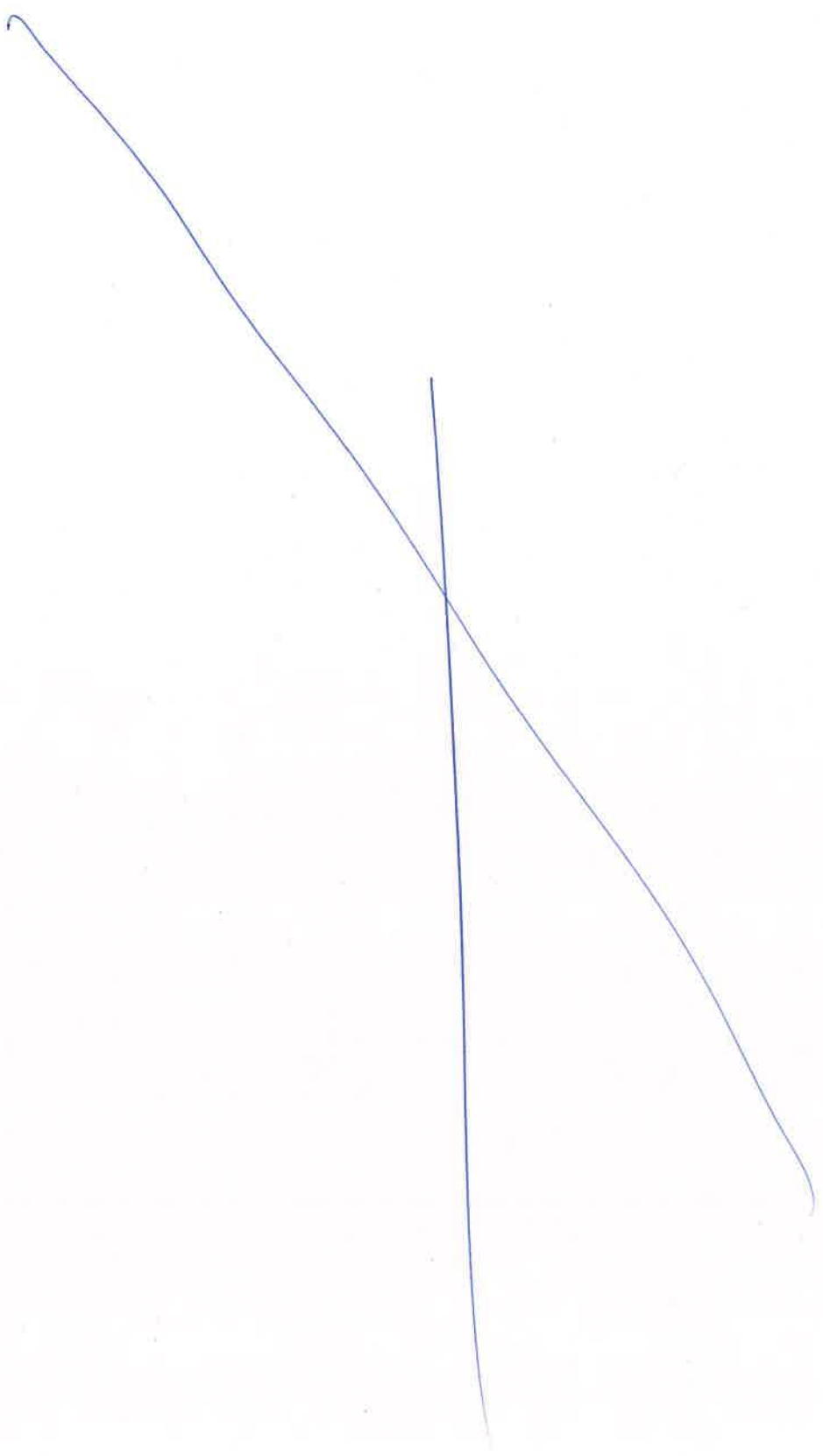
10

21-9-23

21-9-23

21-9-23

21-09-2023



Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-V (Pattern-70+30=100)

MJC-IX: श्रीमद्भगवद्गीता ।

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	भगवद्गीता का सामान्य अध्ययन ।	10 Hours
2	द्वितीय अध्याय (श्लोक 1-36)	10 Hours
3	द्वितीय अध्याय (श्लोक 37-72)	10 Hours
4	चतुर्थ अध्याय (सम्पूर्ण)	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

- (I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा- 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य- 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन- 05 अंक

कुल-30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

- खण्ड-क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । - 10x2=20 अंक ।
खण्ड-ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। इस खण्ड में निर्धारित अंशों से छः श्लोकों में से में से किन्हीं चार श्लोकों की व्याख्या अपेक्षित है।) - 4x5=20 अंक ।
खण्ड-ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) - 03x10=30 अंक ।

कुल - 70 अंक

अनुशासित ग्रन्थः-

1. श्रीमद्भगवद्गीता-मधुसूदनसरस्वती कृत गूढार्थदीपिका संस्कृत टीका तथा प्रतिभाभाष्य (हिन्दी) सहित ।
2. भगवद्गीता - गीताप्रेस, गोरखपुर । .
3. भगवद्गीता - मदन मोहन अग्रवाल, चौखम्बा, वाराणसी ।
4. गीता रहस्य- बालगंगाधर तिलक ।
5. गीता प्रवचन- आचार्य विनोबा ।
6. गीता (साधक संजीवनी)- रामसुखदास, गीता प्रेस, गोरखपुर ।
7. गीता तत्त्व चिन्तामणि- जयदयाल गोयंका, गीताप्रेस, गोरखपुर ।
8. गीता का अनुशीलन- श्रीलप्रभुपाद, ISCON.
9. सनातनशास्त्रम्- सीताराम ओंकारनाथ दास ।

अधिगमः-

श्रीप्रकाश 21/9/23
मोहन सिंह 21.09.2023
रमेशः
21-9-23
21-9-23
21-9-23
21-9-23
21-9-23
21-9-23

गीता के कर्म, भक्ति एवं ज्ञान विषयक अध्यायों के अध्ययन से छात्र/छात्राओं के व्यक्तित्व का सर्वांगिक विकास हो सकेगा। इनके जीवन में असमंजस एवं अन्तर्द्वन्द्व की स्थितियों से निदान प्राप्त कर सकेंगे। उनके जीवन में सम्पूर्ण मानवीय सद्गुणों एवं सत्प्रवृत्तियों का अभ्युदय हो सकेगा। नर से नारायण की यात्रा अर्थात् मनुष्य देह में दैवीय सद्गुणों का विकास संभव हो सकेगा। गीता अध्ययन का परम फल यह होगा कि भारत के छात्र/छात्राएं भारतबोध, आत्मज्ञान, परमात्म सिद्धि, परमार्थ बोध आदि समस्त सत्प्रवृत्तियों से सम्पृक्त हो सकेंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-VI (Pattern-70+30=100)

MJC-X: संस्कृत गद्य साहित्य।

Theory :3 Credits+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	शुकनासोपदेश।	15 Hours
2	शिवराजविजय: (प्रथम निःश्वास)	15 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

CIA-30 अंक

- (I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा— 15 अंक
(II) संगोष्ठी/कवीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य— 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन— 05 अंक
-
- कुल—30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

- खण्ड—क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । — 10x2=20 अंक।
खण्ड—ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खंड में दोनों पाठ्यांशों के छः गद्यांशों में से में से किन्हीं चार गद्यांशों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित है।) — 4x5=20 अंक।
खण्ड—ग 3. दीर्घात्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) — 03x10=30 अंक।

कुल — 70 अंक

अनुशासित ग्रन्थः—

- कादम्बरी (शुकनासोपदेश) — डॉ० रमाकान्त झा, डॉ० हरिहर झा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- कादम्बरी (शुकनासोपदेश) — डॉ० प्रह्लाद कुमार, मेहरचन्द लक्ष्मणदास, दिल्ली।
- शिवराज विजय— विजय शंकर चौबे, MLBP.
- शुकनासोपदेश — मोहनदेव पन्त MLBD.
- शिवराजविजय— डॉ० यशवन्त कुमार जोशी, आयुर्वेद संस्कृत, हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर।
- शिवराजविजय:— डॉ० रमाशंकर मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

अधिगमः—

श्रीधर
21/9/23

रमेश

मोहन
21-09-2023

9/9/23
21/9/23

13

21-9-23

Mamda
21.9.23

21-9-2023

शुकनासोपदेश के अध्ययन के पश्चात् युवावस्था के आने वाले दुष्प्रभावों से बचने में सफल होंगे। विशेषकर पद-प्रतिष्ठा प्राप्त कर अंहकार जन्य दुष्प्रवृत्तियों का शमन कर सकेगा। लक्ष्मीमद अर्थात् धन से उत्पन्न होने वाले अभिमान जन्य दुर्गुणों के प्रति छात्र/छात्राएँ विशेष रूप से सतर्क रहेंगे। साथ ही युवावस्था में उत्पन्न होने वाली सहज कुप्रवृत्तियों से भी वे बच सकेंगे। छात्र/छात्राएँ संस्कृत साहित्य के उपन्यास विधा से परिचित हो सकेंगे। विदेशी आक्रान्ताओं के दुराचार एवं कदाचार की एक झलक प्राप्त कर सकेंगे एवं राष्ट्रवाद की भावना से युक्त हो सकेंगे।

मीरा
21-09-2023

अक्षय
21/9/2023

अक्षय
21-9-23

अक्षय

अक्षय
21-9-23

21-9-23

अक्षय
21-9-23

अक्षय
21/9/23

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-VI (Pattern-70+30=100)

MJC-XI: संस्कृत व्याकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)।

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	कृत्य प्रक्रिया (तव्यत्, अनीयर, केलिपर, यत्, ण्यत्)।	10 Hours
2	कृत् प्रत्यय-घञ् ल्युट्, वत्, वत्तवत्, शत्, शानच् ट, खश, अच्, अप्।	10 Hours
3	तद्धित प्रत्यय- मत्वर्थीय।	10 Hours
4	स्त्री प्रत्यय- टाप्, डीप् और डीष्	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

- (I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा- 15 अंक
(II) संगोष्ठी/कवीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य- 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन- 05 अंक

कुल-30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

- खण्ड-क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । - 10x2=20 अंक।
खण्ड-ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में छः सूत्रों में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है।) - 4x5=20 अंक।
खण्ड-ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (इस खंड में सम्बद्ध व्याकरणिक पक्षों से सम्बद्ध विश्लेषणात्मक/तुलनात्मक/प्रयोगात्मक वैशिष्ट्य से संबद्ध प्रश्न होंगे। पाँच प्रश्नों में से तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) - 03x10=30 अंक।

कुल - 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः-

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी- महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा।
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी - धरानन्दशास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास।
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी - प्रो० अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृतपुस्तकालय, जयपुर।
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी - प्रो० रामविलास चौधरी, मोतीलाल बनारसी दास।
5. वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदीस्त्रीप्रत्ययप्रकरणम् - प्रो० वैद्यनाथ मिश्र, पोद्दार पब्लिकेशन, वाराणसी।

अधिगमः-

श्रीप्रकाश
21/9/23

मोहन सिन्हा
21-09-2023

अक्षय
21/9/23

अक्षय

16/9
21-9-23

15

21-9-23

Mamta
21-9-23

छात्र/छात्राएँ संस्कृत वाक्य रचनोपयोगी कृत्य प्रत्ययों के प्रयोग से अवगत हो सकेंगे। प्रकृति भेद से प्रत्यय भेद को रूपों एवं प्रयोगों को समझ सकेंगे। स्त्री प्रत्यय-प्रातिक पदिक से स्त्रीत्व अर्थ में विविध स्त्री प्रत्ययों की प्रयोग दशा समझ सकेंगे।

संस्कृत के प्रत्ययों के ज्ञान द्वारा शब्द-निर्माण का समर्थन विकसित होगा।

संस्कृत भाषा की वैज्ञानिकता से परिचय होगा।

मोहन लाल
21-09-2023

Recher R.
21-9-23

11/11/23
21-9-23 (21/9/23)

Pratap
21-9-2023

अमेश

मोहन लाल
21-9-23

अमेश
21/9/23

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-VI (Pattern-70+30=100)

MJC-XII: संस्कृत रचना।

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	संस्कृत पत्र लेखन, आवेदन पत्र लेखन।	10 Hours
2	संस्कृत निबन्ध लेखन।	10 Hours
3	संस्कृत से हिन्दी अनुवाद।	10 Hours
4	हिन्दी से संस्कृत अनुवाद।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

- (I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा— 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य— 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन— 05 अंक

कुल—30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड—क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । - 10x2=20 अंक।

खण्ड—ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में व्यक्तिगत पत्र/आवेदन पत्र/ सूचना/ निमंत्रण पत्र से संबद्ध छः प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर अपेक्षित है।) - 4x5=20 अंक।

खण्ड—ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (इस खंड में प्रदत्त तीन हिन्दी अनुच्छेदों एवं दो संस्कृत अनुच्छेदों में से यथायोग्य तीन अनुच्छेदों का संस्कृत/हिन्दी में अनुवाद अपेक्षित है।) - 03x10=30 अंक।

कुल - 70 अंक

अनुशासित ग्रन्थः—

1. रचनानुवाद कौमुदी—डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. बृहद अनुवाद चन्द्रिका—चक्रधर नौटियाल, MLBD.
3. निबन्धशतकम्— डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. संस्कृतनिबन्धसौरभम्— प्रो० बैद्यनाथ मिश्र, पोद्दार पब्लिकेशन, वाराणसी।
5. निबन्ध कुसुमाञ्जलि— डॉ० जयमन्त मिश्र, दिल्ली।

अधिगमः—

इससे संस्कृत छात्र/छात्राओं में संस्कृत में पत्र लेखन एवं निबन्ध लेखन की क्षमता का विकास होगा। अनुवाद के द्वारा छात्रों में संस्कृत रचना में प्रवेश करने की क्षमता का संवर्धन होगा।

श्रीप्रकाश
21/9/23

मोहन
21.09.2023

21-9-23
रमेश

21/9/23

21/9/23

Manoj
21.9.23



Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-VII (Pattern-70+30=100)

MJC-XIII: संस्कृत महाकाव्य।

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	कुमारसम्भवम् (पञ्चम सर्ग)	20 Hours
2	शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग)	20 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा- 15 अंक

(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य- 10 अंक

(III) उपस्थिति एवं अनुशासन- 05 अंक

कुल-30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड-क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । - 10x2=20 अंक।

खण्ड-ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में दोनों महाकाव्यों से कुल छः श्लोकों में से किन्हीं चार श्लोकों की व्याख्या अपेक्षित है।) - 4x5=20 अंक।

खण्ड-ग 3. दीर्घात्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) - 03x10=30 अंक।

कुल - 70 अंक

अनुशासित ग्रन्थः-

1. कुमारसम्भवम्- नेमिचन्द्र शास्त्री, MLBD.
2. शिशुपालवधम्- श्री रामजीलाल शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. कुमारसम्भवम्- जगदीशलालाशास्त्री, मोतिलाल बुक्स पब्लिकेशंस एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स, वाराणसी।
4. कुमारसम्भवम्- प्रो० रेवाप्रसाद द्विवेदी, सम्पूर्णानन्द विश्वविद्यालय, वाराणसी।
5. शिशुपालवध- जनार्दनशास्त्री पाण्डेय, मोतिलाल बुक्स, पब्लिकेशंस एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स, वाराणसी।
6. शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग), आशुबोधिनी संस्कृत हिन्दी व्याख्योपंतम्- पं० सत्यनारायण शास्त्री, चौखम्बा भारती आकदमी, पटना।

अधिगमः-

श्रीप्रकाश
21/9/23

मोहनसिंह
21.09.2023

21.9.23

21/9/2023

Mandy
21.9.23

21.9.23

रमेशः 19

इन महाकाव्यों के अध्ययन के पश्चात् का लिदास एवं माघ के काव्य सौन्दर्य का रसपान कर सकेंगे। काव्यानन्द के साथ तपः प्रवृत्ति और पौराणिक आख्यानों से भी परिचित हो सकेंगे। छात्र/छात्राओं के अन्दर जीवन में तपस्या का महत्त्व, अतिथि सत्कार, स्पष्टवादिता एवं लक्ष्य संसिद्धि का सोपान प्रशस्त होगा।

मोहन लाल
21.09.2023

21-9-23

21-9-23

21-9-2023

21-9-23

21-9-23

21/9/23

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-VII (Pattern-70+30=100)

MJC-XIV: संस्कृत कथा साहित्य।

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	पञ्चतन्त्रम् (अपरीक्षितकारक-आरंभिक तीन कथाएँ)	20 Hours
2	हितोपदेश (आरंभिक तीन कथाएँ)	20 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा-	15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य-	10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन-	05 अंक
	कुल-30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड-क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न	- 10x2=20 अंक।
खण्ड-ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खंड में दोनों पाठ्यांशों के छः गद्यांशों में से में से किन्हीं चार गद्यांशों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित है।)	- 4x5=20 अंक।
खण्ड-ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।)	- 03x10=30 अंक।
	कुल - 70 अंक

अनुशासित ग्रन्थः-

1. पञ्चतन्त्रम् - श्री गुरुप्रसाद शास्त्री, भार्गव पुस्तकालय, गायघाट, काशी।
2. पञ्चतन्त्रम् - श्यामचरण पाण्डेय, मोतीलाल बुक्स पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, पटना।
3. हितोपदेश- मोतीलाल बनारसीदास इन्टरनेशनल।
4. अपरीक्षितकारकम्- प्रो० मोहन मिश्र, जेनरल बुक एजेन्सी, पटना।
5. हितोपदेश- प्रो० बालशास्त्री, चौखवा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

अधिगमः-

इन कथाओं के अध्ययन से कर्तव्याकर्तव्य का बोध होगा तथा उचित निर्णय लेने की क्षमता का विकास होगा। गुरुपदेश के महत्त्व को समझ सकेंगे। संस्कृत की मनोहर कथा परम्परा से अवगत होंगे।

श्रीप्रसाद
21/9/23

मोहनमिश्र
21-09-2023

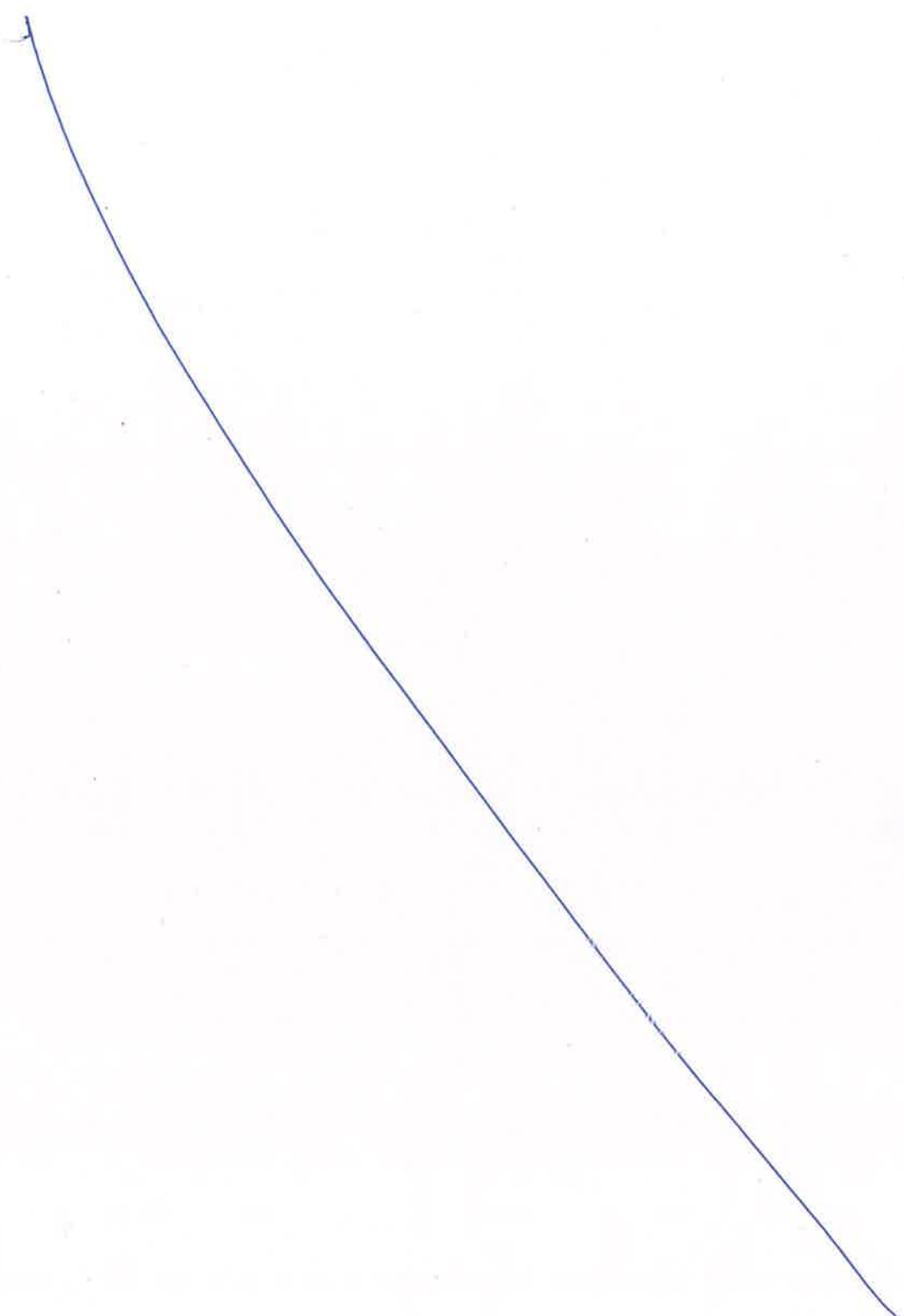
रमेशः
21.9.23

21.9.23

Accept:
21/9/2023

21.9.23

21.9.23



Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-VII (Pattern-70+30=100)

MJC-XV: व्याकरण-7 एवं भाषाविज्ञान।

Theory :5 Credits+ Tutorial: 6 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	समास-केवलसमास, अव्ययीभाव और तत्पुरुष	15 Hours
2	समास-बहुव्रीहि और द्वन्द्व	15 Hours
3	भाषा की परिभाषा भाषोत्पत्ति सिद्धान्त भाषा और बोली में अन्तर।	10 Hours
4	भारतीय आर्यभाषा का क्रमिक विकास, लौकिक एवं वैदिक संस्कृत भाषा में अन्तर।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	60 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा- 15 अंक

(II) संगोष्ठी/कवीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य- 10 अंक

(III) उपस्थिति एवं अनुशासन- 05 अंक

कुल-30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड-क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । - 10x2=20 अंक।

खण्ड-ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में छः सूत्रों में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है।) - 4x5=20 अंक।

खण्ड-ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न।
पाँच प्रश्नों में से तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) - 03x10=30 अंक।

कुल - 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः-

- भाषा विज्ञान की भूमिका - आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन - डॉ० भोलाशंकर व्यास, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, वाराणसी।
- सामान्य भाषाविज्ञान- डॉ० बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
- भाषा विज्ञान- डॉ० भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
- Elements of Science of Language- Tara Porewala.

अधिगमः-

छात्र सामासिक प्रक्रिया के क्रम को समझ सकेंगे और संस्कृत रचना में उनका उपयोग कर सकेंगे।
साप्ताहिक प्रक्रिया जानने के बाद प्रौढ़ समस्तपदों को समझने में सुगमता आएगी।

21/9/23

मोहन मिश्र
21-09-2023

रमेश

21-9-23

21-9-23

मोहन मिश्र
21-9-23

21-9-2023

8. हितोपदेश- मोतीलाल बनारसीदास इन्टरनेशनल।
9. अपरिक्षितकारकम्- प्रो० मोहन मिश्र, जेनरल बुक एजेन्सी, पटना।
10. हितोपदेश- प्रो० बालशास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

अधिगम:-

छात्रों का चारित्रिक निर्माण होगा। उनका नैतिक विकास होगा। विचारों में परिपक्वता आएगी। संस्कृत भाषा लेखन एवं सम्भाषण में निपुण हो सकेंगे। संस्कृत की मनोहर कथा परम्परा से अवगत होंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-IV (Pattern-70+30=100)

MIC-IV: संस्कृत व्याकरण एवं सम्भाषण कौशल।

Theory :2 Credits+ Tutorial: 1 Credit=3 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	संस्कृत-संभाषण कौशल के क्रमिक सोपान।	10 Hours
2	विभक्त्यर्थ प्रकरण।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

- | | |
|---|------------|
| (I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा- | 15 अंक |
| (II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य- | 10 अंक |
| (III) उपस्थिति एवं अनुशासन- | 05 अंक |
| | कुल-30 अंक |

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

- खण्ड-क 1. दोनों इकाइयों से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। - 10x2=20 अंक।
- खण्ड-ख 2. संस्कृत संभाषणोपयोगी प्रयोगों (गल्गा, ल्गाप्, गत्गात्, शप् शानच् तुमुन्) तथा विभक्ति सूत्रों की व्याख्या। दोनों इकाइयों से तीन-तीन प्रश्न होंगे जिनमें से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। - 5x4=20 अंक।
- खण्ड-ग 3. दोनों इकाइयों से कुल पाँच प्रश्न किए जायेंगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। - 10x3=30 अंक।

कुल - 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ:-

1. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी- डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. संस्कृत स्वयं शिक्षक- दामोदर सातवलेकर, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।
3. रचनानुवादकौमुदी- डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. व्यवहार साहस्री- संस्कृत भारती, दिल्ली।

श्रीप्रकाश
21/9/23

मोहन मिश्र
21-09-2023
रमेश

21-9-23

25

21-9-23

Mamta
21-9-23

21/9/23

5. संभाषण सोपानम्— संस्कृत भारती, दिल्ली।
6. लघुसिद्धान्त कौमुदी— डॉ० महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

अधिगमः—

संस्कृत में बोलने की क्षमता विकसित होगी। वाक्यों की संरचना एवं सिद्धता का बोध हो सकेगा। छात्र/छात्राएँ लेखन एवं सम्भाषण कला में प्रवीण हो सकेंगे। व्याकरण बोध से संस्कृत भाषागत समझ विकसित होगी एवं अभिव्यक्ति में सुगमता होगी।

मोहन लाल
21-09-2023

21-9-23 21-9-23

21-9-2023 21-9-23

21-9-23 21-9-23

21-9-23

21/9/23

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-V (Pattern-70+30=100)

MIC-V: संस्कृत नाटक।

Theory :2 Credits+ Tutorial: 1Credit= 3Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	स्वप्नवासवदत्तम् (प्रथम अंक)।	10 Hours
2	मालविकाग्निमित्रम् (प्रथम अंक)।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा—	15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य—	10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन—	05 अंक
कुल—30 अंक	

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड—क 1. दोनों इकाइयों से 05—05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न।	— 10x2=20 अंक।
खण्ड—ख 2. लघु उत्तरीय प्रश्न कुल 04। दोनों इकाइयों से तीन—तीन श्लोक होंगे, जिनमें से किन्हीं चार श्लोकों की व्याख्या करेंगे।	— 5x4=20 अंक।
खण्ड—ग 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न कुल 03। दोनों इकाइयों से कुल 05 प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।	— 10x3=30 अंक।
कुल — 70 अंक	

अनुशासित पुस्तकें:—

1. स्वप्नवासवदत्तम्— आचार्य शेषराज शर्मा 'रेग्मि'।
2. स्वप्नवासवदत्तम्— प्रो० मोहन मिश्र, जेनरल बुक एजेन्सी, पटना।
3. स्वप्नवासवदत्तम्— जयपाल विद्यालंकार, MLBD.
4. मालविकाग्निमित्रम्— प्रिंसिपल मोहनदेव पन्त, MLBD.
5. मालविकाग्निमित्रम्— पं० श्री रामचन्द्र मिश्र, चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी।

अधिगम:—

संस्कृत के नाट्य साहित्य को पढ़ने की अभिरुचि जागृत होगी। अभिनय कौशल एवं सम्भाषण कला का विकास होगा। अभिनय कौशल एवं सम्भाषण कला का विकास होगा। भास एवं कालिदास के नाट्य साहित्य

श्रीप्रकाश
21/9/23

मोहन मिश्र
21.09.2023

अक्षय
21/9/2023

अक्षय

श्रीप्रकाश
21.9.23

श्रीप्रकाश
21.9.23

को पढ़कर भारतीय संस्कृति एवं कला से परिचित हो सकेंगे।

21/9/23

मोहन
21.09.2023

21-9-23

21-9-23

Recha f.
21.9.23

21/9/2023

21-9-23

28/2/28

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-VI (Pattern-70+30=100)

MIC-VI: संस्कृत काव्यशास्त्र।

Theory :2 Credits+ Tutorial: 1 Credit =3 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	काव्यप्रयोजन, काव्यलक्षण, काव्यहेतु, काव्यभेद एवं शब्द शक्तियाँ।	10 Hours
2	अलंकार:- शब्दालंकार-अनुप्रास, यमक, श्लेष। अर्थालंकार- उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास (काव्यदीपिका के अनुसार)।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

- (I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा- 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य- 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन- 05 अंक
-
- कुल-30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

- खण्ड-क 1. दोनों इकाइयों से 05-05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। - 10x2=20 अंक।
खण्ड-ख 2. लघु उत्तरीय प्रश्न कुल 04। - 5x4=20 अंक।
दोनों इकाइयों से तीन-तीन प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं चार की व्याख्या करेंगे।
खण्ड-ग 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न कुल 03। - 10x3=30 अंक।
दोनों इकाइयों से कुल 05 प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।
-
- कुल - 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ:-

7. काव्यदीपिका- परमेश्वरनन्द शर्मा, MLBD.
8. काव्यात्ममीमांसा- डॉ० जयमन्त मिश्र, चौखम्बा, वाराणसी।

अधिगम:-

21/9/23
21-09-2023
21-9-23
21-9-23
21-9-23
21-9-23
21-9-23
21-9-23

काव्यशास्त्रीय विवेचन कर काव्य की उत्कृष्टता को समझ सकेंगे। काव्य की महत्ता को समझ सकेंगे। काव्य रचना के शास्त्रीय पक्षों का ज्ञान होगा।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER- VII (Pattern-70+30=100)

MIC-VII: संस्कृत नीतिकाव्य।

Theory :2 Credits+ Tutorial: 1 Credit =3 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	(क) नीतिशतक (आरम्भिक 10 पद्य) (ख) शृंगारशतक (आरम्भिक 10 पद्य)।	10 Hours
2	चाणक्य नीति (प्रारम्भिक 20 पद्य)	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

- (I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा— 15 अंक
(II) संगोष्ठी/कवीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य— 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन— 05 अंक

कुल—30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड—क 1. दोनों इकाइयों से 05—05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। — 10x2=20 अंक।

खण्ड—ख 2. लघु उत्तरीय प्रश्न कुल 04। — 5x4=20 अंक।

दोनों इकाइयों से तीन—तीन श्लोक (पूरा छः) होंगे, जिनमें से किन्हीं चार श्लोकों की व्याख्या करेंगे।

खण्ड—ग 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न कुल 03। — 10x3=30 अंक।

दोनों इकाइयों से कुल 05 प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

कुल — 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः—

1. चाणक्यनीतिदर्पणः — डॉ० गुञ्जेश्वरी चौधरी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. चाणक्यनीतिदर्पणः — पं० रूपनारायण पाण्डेय कविरत्न, तेजकुमार बुकडिपो लिमिटेड, लखनऊ।
3. भर्तृहरि शतकत्रयम्— डॉ० ददन उपाध्याय, चौखम्बा, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

श्रीधर
21/9/23

निलेश
21-09-2023

Arjun
21/9/2023

21-9-23
30
रमेश

Maiti
21.9.23

21.9.23

4. भर्तृहरिशतकत्रय- डॉ० चमनलाल गौतम, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
5. SATAKATRAYAM- D.S.R KRISHNAMURTI, J.P Publishing House.

अधिगमः-

छात्रों-छात्राओं का नैतिक बोध विकसित होगा। चारित्रिक विकास होगा। संस्कृत सरल संरचना से परिचित होंगे। व्यक्तित्व के निर्माण में इन नीतियों का व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

श्रीमान्
21/9/23

मोहन लाल
21-09-2023

21-9-23

21-9-23

गुरुः
Mand
21-9-23

Revised
21-9-23

Pratap
21-9-2023

रमेशः

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER- VIII (Pattern-70+30=100)

MIC-VIII: संस्कृत साहित्य का इतिहास।

Theory :2 Credits+ Tutorial: 1 Credit =3 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	वेदों का सामान्य परिचय एवं प्रतिपाद्य विषय।	10 Hours
2	रामायण और महाभारत का सामान्य परिचय।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

- (I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा— 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य— 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन— 05 अंक

कुल—30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

- खण्ड—क 1. दोनों इकाइयों से 05—05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। — 10x2=20 अंक।
खण्ड—ख 2. लघु उत्तरीय प्रश्न कुल 04। — 5x4=20 अंक।
दोनों इकाइयों से कुल छः टिप्पणियाँ होंगे,
जिनमें से किन्हीं चार पर टिप्पणी करनी होगी।
खण्ड—ग 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न कुल 03। — 10x3=30 अंक।
दोनों इकाइयों से कुल 05 प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं
तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

कुल — 70 अंक

अनुशसित पुस्तकें:—

- वैदिक साहित्य और संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय(शारदामन्दिर वाराणसी)।
- वैदिक साहित्य का इतिहास, पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा, वाराणसी।
- वैदिक साहित्य का समालोचनात्मक इतिहास, प्रो० रामविलास चौधरी, MLBD।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि (चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी)।
- वैदिक साहित्य का इतिहास, गजानन्द मुसलगांवकर, चौखम्बा।
- A History of Indian Literature, Vol. II, Translated by Subhdra Jha, MLBD.
- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा, वाराणसी।
- संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामजी उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
- संस्कृतसाहित्येतिहासः, आचार्य रामचन्द्र मिश्र, चौखम्बा, वाराणसी।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।

अधिगम:—

पाठ्यक्रम सम्पन्न होने पर छात्र संस्कृत साहित्य के वैदिक एवं लौकिक के प्रमुख पक्षों का सामान्य परिचय प्राप्त कर इसकी महत्ता को समझ सकेंगे। वेदों में निहित ज्ञान—विज्ञान अध्यात्म एवं दर्शन के रहस्यों से

श्रीप्रकाश
21/9/23

गोहरी
21.09.2023

21.9.23
32
21.9.23

21.9.23

21.9.23

21.9.2023

21.9.23

अवगत हो सकेंगे। वैदिक साहित्य के वेदांगों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। वेदों के व्याख्यानरूप ब्राह्मणों, आरण्यकों एवं उपनिषदों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

आदि काव्य रामायण की कथा से चरित्र निर्माण कर सकेंगे। महाभारत के परिचय से दुर्गुणों से निर्वृति एवं सद्गुणों की ओर प्रवृत्त हो सकेंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER- IX (Pattern-70+30=100)

MIC-IX: श्रीमद्भगवद्गीता।

Theory :3 Credits+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	श्रीमद्भगवद्गीता का सामान्य परिचय, गीता में प्रतिपादित कर्म, ज्ञान एवं भक्ति मार्ग का सामान्य परिचय।	15 Hours
2	अध्याय-15 (पुरुषोत्तम योग)।	15 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

CIA-30 अंक

- (I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा- 15 अंक
 (II) संगोष्ठी/कवीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य- 10 अंक
 (III) उपस्थिति एवं अनुशासन- 05 अंक

कुल-30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

- खण्ड-क 1. दोनों इकाइयों से 05-05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। - 10x2=20 अंक।
 खण्ड-ख 2. लघु उत्तरीय प्रश्न कुल 04। - 5x4=20 अंक।
 दोनों इकाइयों से कुल छः टिप्पणियाँ होंगे,
 जिनमें से किन्हीं चार पर टिप्पणी करनी होगी।
 खण्ड-ग 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न कुल 03। - 10x3=30 अंक।
 दोनों इकाइयों से कुल 05 प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं
 तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

कुल - 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ:-

- श्रीमद्भगवद्गीता-मधुसूदनसरस्वती कृत गूढार्थदीपिका संस्कृत टीका तथा प्रतिभाभाष्य (हिन्दी) सहित।
- भगवद्गीता - गीताप्रेस, गोरखपुर।
- भगवद्गीता - मदन मोहन अग्रवाल, चौखम्बा, वाराणसी।
- गीता रहस्य- बालगंगाधर तिलक।
- गीता प्रवचन- आचार्य विनोबा।
- गीता (साधक संजीवनी)- रामसुखदास, गीता प्रेस, गोरखपुर।
- गीता तत्त्व चिन्तामणि- जयदयाल गोयंका, गीताप्रेस, गोरखपुर।
- गीता का अनुशीलन- श्रीलप्रभुपाद, ISCON.
- सनातनशास्त्रम्- सीताराम ओंकारनाथ दास।

21/9/23

मोहन
21.09.2023

अमर

21.9.23
21.9.23

21.9.23

21.9.23

अधिगमः-

गीता के कर्म, भक्ति एवं ज्ञान विषयक अध्यायों के अध्ययन से छात्र/छात्राओं के व्यक्तित्व का सर्वाङ्गीण विकास हो सकेगा। इनके जीवन में असमंजस एवं अन्तर्द्वन्द्व की स्थितियों से निदान प्राप्त कर सकेंगे। उनके जीवन में सम्पूर्ण मानवीय सद्गुणों एवं सत्प्रवृत्तियों का अभ्युदय हो सकेगा। नर से नारायण की यात्रा अर्थात् मनुष्य देह में दैवीय सद्गुणों का विकास संभव हो सकेगा। गीता अध्ययन का परम फल यह होगा कि भारत के छात्र/छात्राएं भारतबोध, आत्मज्ञान, परमात्म सिद्धि, परमार्थ बोध आदि समस्त सत्प्रवृत्तियों से सम्पृक्त हो सकेंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER- X (Pattern-70+30=100)

MIC-X: भारतीय दर्शन।

Theory :3 Credits+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	भारतीय दर्शन की उत्पत्ति, उद्देश्य और वर्गीकरण।	10 Hours
2	भारतीय आस्तिक दर्शन का सामान्य अध्ययन।	10 Hours
3	भारतीय नास्तिक दर्शन का सामान्य परिचय।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

CIA-30 अंक

- (I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा- 15 अंक
(II) संगोष्ठी/कवीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य- 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन- 05 अंक

कुल-30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

- खण्ड-क 1. तीनों इकाइयों से कुल 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। - 10x2=20 अंक।
खण्ड-ख 2. लघु उत्तरीय प्रश्न कुल 04। - 5x4=20 अंक।
तीनों इकाइयों से कुल छः प्रश्न होंगे,
जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।
खण्ड-ग 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न कुल 03। - 10x3=30 अंक।
तीनों इकाइयों से कुल 05 प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं
तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

कुल - 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः-

श्री प्रसाद
21/9/23

मोहन मिश्र
21-09-2023

रमेश

ADN S
21-9-23 34

Rekha R
21-9-23

Mand
21-9-23

Pratap
21/9/2023

1. भारतीय दर्शन – आचार्य बलदेव उपाध्याय।
2. भारतीय दर्शन – हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा।
3. भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा।
4. भारतीय दर्शन – पारसनाथ द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रशासन वाराणसी।
5. भारतीय दर्शन – डॉ० उमा शंकर शर्मा ऋषि।
6. History of Indian Philosophy- S.N Das Gupta.

अधिगमः-

भारतीय दार्शनिक चिन्तन परम्परा से परिचित हो सकेंगे। भारतीय दर्शन से सुपरिचित होकर छात्र-छात्राएँ एक दार्शनिक बोध प्राप्त करने में समर्थ हो सकेंगे। जीवन एवं मरण, जीवात्मा एवं परमात्मा, ब्रह्म एवं माया, जीव-जगत् इत्यादि विषयों का तात्त्विक एवं पारमार्थिक बोध प्राप्त कर सकेंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)

MDC -I: भारतीय संस्कृति।

Theory : 2Credit+ Tutorial: 1 Credit =3 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	वर्णाश्रम व्यवस्था, षोडशसंस्कार, पुरुषार्थचतुष्टय।	10 Hours
2	प्राचीनशिक्षण, प्रणाली (गुरुकुलीयशिक्षापरम्परा, ब्रह्मचारी के आवश्यक कर्तव्य, गुरुशिष्य परम्परा)	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

- (I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा- 15 अंक
 (II) संगोष्ठी/कवीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य- 10 अंक
 (III) उपस्थिति एवं अनुशासन- 05 अंक

कुल-30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड-क 1. दोनों इकाइयों से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

10x2=20 अंक।

खण्ड-ख 2. दोनों इकाइयों से तीन-तीन प्रश्न होंगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खंड में टिप्पणी प्रष्टव्य है।)

5x4=20 अंक।

श्रीहरिन
21/9/23

नरेश्वर
21.09.2022

अक्षय
21.9.2023

रमेश

35

21-9-23
21-9-23

Manish
21-9-23

खण्ड-ग 3. दोनों इकाइयों से पाँच प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। —
10x3=30 अंक।

कुल — 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ :-

1. भारतीयसंस्कृति — डॉ० प्रीति प्रभा गोयल, परिमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भारतीयसंस्कृति के मूलतत्त्व— डॉ० सुखबीर सिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ।
3. भारतीयसंस्कृति एवं कला — वाचस्पति गौरोला, उत्तरप्रदेश, हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
4. हिन्दू संस्कार — राजबलि पाण्डेय।
5. प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास — डॉ० जयशंकर मिश्र।
6. धर्मशास्त्र का इतिहास — भारतरत्न, पी०वी० काणे।

अधिगम:-

- (1) भारतीयसंस्कृति के मूलतत्त्व को समझ सकेंगे।
- (2) संस्कारों के वैज्ञानिक महत्त्व से अवगत होंगे।
- (3) शिक्षण प्रणाली के बोध के साथ चारित्रिक विकास होगा।
- (4) गुरु शिष्य संबंध की पवित्रता समझ सकेंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)

MDC -II: संस्कृत काव्य।

Theory : 3Credit+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	वाल्मीकीय रामायण (सुन्दर काण्ड, सर्ग सात)	10 Hours
2	श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय-12)	10 Hours
3	मेघदूत (कालिदास) —पूर्वमेघ, आरम्भिक 10 पद्य।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

CIA-30 अंक

- (I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा— 15 अंक
- (II) संगोष्ठी/कवीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य— 10 अंक
- (III) उपरिधति एवं अनुशासन— 05 अंक

कुल—30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

श्रीप्रम
21/9/23

नाहन
21/09/2023

अक्षय
21/9/2023

36
21/9/23
रमेश

Rekha R.
21.9.23

Mauli
21.9.23

- खण्ड-क 1. तीनों इकाइयों से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। - 10x2=20 अंक।
खण्ड-ख 2. तीनों इकाइयों से तीन-तीन प्रश्न होंगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। (इस खंड में श्लोक व्याख्या प्रष्टव्य है।) - 5x4=20 अंक।
खण्ड-ग 3. तीनों इकाइयों से पाँच प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। - 10x3=30 अंक।

कुल - 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ :-

1. रामायण - गीताप्रेस, गोरखपुर।
2. भगवद्गीता- गीताप्रेस गोरखपुर।
3. मेघदूतम् - मोतीलाल बुक पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, पटना।

अधिगम:-

छात्र/छात्राओं के व्यक्तित्व के विकास में सहायक सिद्ध होंगे। आदि कवि वाल्मीकि, वेदव्यास एवं कालिदास की विलक्षण काव्य प्रतिभा से परिचित हो सकेंगे।

Asim
21/9/23

गोहराज
21.09.2023

Pratap
21.9.2023

S
21.9.23

21.9.23

रमेश

गोहराज

Perharaj

21.9.23

Mandy
21.9.23

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)

MDC -III: संस्कृत वाङ्मय में वैज्ञानिक परम्परा।

Scientific Tradition in Sanskrit.

Theory : 2Credit+ Tutorial: 1 Credit =3 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	संस्कृत वाङ्मय में रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान	10Hours
2	संस्कृत वाङ्मय में गणित एवं खगोल विज्ञान	10Hours
	Tutorial	10Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा-	15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य-	10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन-	05 अंक
	<hr/> कुल-30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

- खण्ड-क 1. दोनों इकाइयों से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। - 10x2=20 अंक।
खण्ड-ख 2. दोनों इकाइयों से तीन-तीन प्रश्न होंगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। (इस खंड में टिप्पणी प्रष्टव्य है।) - 5x4=20 अंक।
खण्ड-ग 3. दोनों इकाइयों से पाँच प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है - 10x3=30 अंक।

कुल - 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ :-

1. संस्कृत साहित्य में ज्ञान-विज्ञान- डॉ० शशि शर्मा, इस्टर्न बुक लिंकर्स।
2. विज्ञान सारथि: - डॉ० विजया रानी, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली।

अधिगम:-

- (1) संस्कृत वाङ्मय की गौरवशाली परम्परा से परिचय प्राप्त होगा।
- (2) विज्ञान के क्षेत्र में कुछ नया करने की प्रवृत्ति बढ़ेगी।
- (3) भारतीय स्वाभिमान का उदय होगा।

21/9/23

21.09.2023

21-9-23

21.9.23

21.9.23

21/9/2023

21.9.23

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)

MIL -III: Sanskrit

Theory : 1 Credit+ Tutorial: 1 Credit =2 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	पंचतन्त्र- क्षपणक कथा, सिंहकारक मूर्ख ब्राह्मण कथा।	10 Hours
2	नीतिशतक- आरम्भिक (20 पद्य)	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

- (I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा- 15 अंक
(II) संगोष्ठी/कवीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य- 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन- 05 अंक

कुल-30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड-क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । - 10x2=20 अंक।

खण्ड-ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खंड में दोनों पाठ्यांशों के छः गद्यांशों में से में से किन्हीं चार गद्यांशों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित है।) - 4x5=20 अंक।

खण्ड-ग 3. दीर्घात्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) - 03x10=30 अंक।

कुल 70 अंक

अनुशासित ग्रन्थ :-

1. नीतिशतक - तारिणीश झा, रामनारायण लाल बेनीमाधव प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. पंचतन्त्रम् - श्री गुरुप्रसाद शास्त्री, भार्गव पुस्तकालय, गायघाट, काशी।
3. पंचतन्त्रम् - श्यामचरण पाण्डेय, मोतीलाल बुक्स पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, पटना।
4. हितोपदेश- मोतीलाल बनारसीदास इन्टरनेशनल।
5. अपरिक्षितकारकम्- प्रो० मोहन मिश्र, जेनरल बुक एजेन्सी, पटना।
6. हितोपदेश- प्रो० बालशास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

श्रीप्रसाद
21/9/23

मोहनमिश्र
21-09-2023

विश्वनाथ
21/9/2023

रमेश

21-9-23

39

21/9/23

21/9/23

21-9-23

21-9-23

अधिगमः-

छात्र-छात्राओं का नैतिक बोध विकसित होगा। चारित्रिक विकास होगा। संस्कृत सरल संरचना से परिचित होंगे। व्यक्तित्व के निर्माण में इन नीतियों का व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

श्री. श्री. श्री.
21/9/23

श्री. श्री. श्री.
21-09-2023

श्री. श्री. श्री.
21-9-23

श्री. श्री. श्री.
21-9-23

श्री. श्री. श्री.
21/9/2023

श्री. श्री. श्री.
21-9-23

श्री. श्री. श्री.
21-9-23

श्री. श्री. श्री.
21-9-23

List of Skill Enhancement Courses (SEC)

SL. No.	Course Title	Distribution of the course		Total Credits	Total Marks=100
		Lecture	Tutorial		
1	संस्कृत-सभाषणम्	20	10	3	End- Term Appraisal: 70 Marks
2	ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड	20	10	3	
3	वैदिक-गणित	20	10	3	Internal Assessment: 30 Marks
4	संस्कृत-साहित्य में पर्यावरणीय चेतना	20	10	3	
5	Arts of Balanced Living	20	10	3	
6	संस्कृत आयुर्विज्ञान	20	10	3	

Handwritten signature
21-09-2023

Handwritten signature
21-9-2023

Handwritten signature
21-9-23

Handwritten signature
21/9/23

Handwritten signature
21-9-23

Handwritten signature
21-9-23

Handwritten signature
रमेशः
21-9-23

Handwritten signature
21-9-23

Handwritten signature
21/09/2023

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

(Pattern-70+30=100)

SEC-I: संस्कृत-संभाषणम्

Theory :3Credits+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	व्यावहारिक शब्दावली का ज्ञान, पद एवं वाक्य संरचना	10 Hours
2	वाच्य-परिवर्तन, प्रयोग तथा अनुवाद	10 Hours
3	परिचय, लघुपरिचर्चा, लघुलेख, वार्तालाप, संदेश-रचना	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

Course Outcome:- Speak fluently in Sanskrit.

गुरुः

श्रीहरि
21.09.2023

विश्वम्
21.9.2023

21.9.23

श्रीहरि
21/9/23

21.9.23

21.09.2023

Rekha R.
21.9.23

Mamta
21.9.23

रमेश
21-9-23

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

(Pattern-70+30=100)

SEC-II: ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड

Theory :3Credits+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	कर्मकाण्ड-सामान्य परिचय, शुद्धिकरण, आसन-ग्रहण, इष्ट-आहवाहन, संध्योपासना, गृहपवेश।	10 Hours
2	कर्मकाण्ड-उपनयन, पाणिग्रहण, श्राद्धकर्म, मूर्तिस्थापना, हवनादियाज्ञिक-कर्मकाण्ड।	10 Hours
3	ज्योतिष- सामान्य परिचय, नवग्रहों का परिचय, नक्षत्रों का परिचय।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

Course Outcome:-

- Have general knowledge about Jyotish and Karmkand.
- Perform some Hindu rituals
- Know about Graha and nakshtras.

प्रो. ए. ए. ए.
21.09.2023

अ. ए. ए.
21.9/2023

21.9.22

21-9-23

श्री. ए. ए. ए.
21/9/23

(मि. ए. ए.
21/09/2023)

प्रो. ए. ए. ए.
21.9.23

म. ए. ए.
21.9.23

श्री. ए. ए. ए.
21-9-23

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

(Pattern-70+30=100)

SEC-III: वैदिक-गणित

Theory :3Credits+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	संस्कृत में गणित का इतिहास वैदिक साहित्य और लौकिक साहित्य में गणितीय प्रयोग	10 Hours
2	गणित के प्रमुख आचार्यों का परिचय- वररुचि, आर्यभट्ट प्रथम, वराहमिहिर, श्रीधर, आर्यभट्ट, द्वितीय, श्रीपति, भास्काराचार्य, गणेश देवज्ञ, कमलाकार, रामानुजन।	10 Hours
3	आर्यभटीयम् (01-05), लीलावती (01-10)	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

Course Outcome:-

- Get introduction of Vedic mathematics.
- Know about the great scholars of Vedic mathematics.
- Familiar with introductory book related Vedic mathematics.

गोहिल
21.09.2023

विश्व
21.9.2023 21.9.23

Rekha P
21.9.23

Mandya
21.9.23

21.9.23
रमेश
21-9-23

गोहिल
21.9.23

मिहिर
21.09.2023

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

(Pattern-70+30=100)

SEC- IV: संस्कृत-साहित्य में पर्यावरणीय चेतना

Theory :3Credits+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	Environmental Background of Sanskrit Literature	10 Hours
2	Environment Awareness in Vedic Literature	10 Hours
3	Environment Awareness in Classical Sanskrit Literature	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

Course Outcome:-

- The basic concept of Indian Science of Environment.
- Modern Environmental Perspective and importance of Sanskrit Literature.
- Silent features of Environmental awareness as reflected in Vedic and Classical sanskrit.

Dr. Anil Kumar
21-09-2023

Dr. Anil Kumar
21-9-2023

Dr. Anil Kumar
21/9/23

Rekha Ran
21.9.23

Mamta
21.9.23

Dr. Anil Kumar
21-9-23

Dr. Anil Kumar
21/09/2023

Dr. Anil Kumar
21-9-23

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

(Pattern-70+30=100)

SEC- V: Arts of Balanced Living

Theory :3Credits+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	Self-presentation: श्रवण, मनन, निदिध्यासन (बृहदारण्योपनिषद् 2.4.5)	10 Hours
2	Concentration: अभ्यास-योगसूत्र 1.2, वैराग्य- योगसूत्र 1.12-16	10 Hours
3	Refinement of behavior: ज्ञानयोग, कर्मयोग, ध्यानयोग और भक्तियोग।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

Course Outcome:-

- Work on human resource management for giving better results.
- Method of Self-presentation Hearing .
- Restriction of fluctuations by practice and passionlessness as well as method of improving behavior.

Prof: मोहन लाल
21-09-2023

Prof: 21/9/2023 21-9-23

Prof: 21/9/23 21/9/23

Prof: 21-9-23

Prof: 21-9-2023

Prof: 21/09/2023

Prof: 21-9-23

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

(Pattern-70+30=100)

SEC- VI: संस्कृत आयुर्विज्ञान

Theory :3Credits+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	आयुर्वेद का सामान्य परिचय, इतिहास, प्रमुख आचार्य-धन्वन्तरी, पुनर्वसु, चरक, सुश्रुत, वाग्भट्ट, सारंगधर, भावमिश्र।	10 Hours
2	चरक संहिता- सूत्रस्थान (शरीर की प्रकृति और छः ऋतुएँ)	10 Hours
3	तैत्तिरीयोपनिषद्- (भृगुवल्ली)	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

Course Outcome:-

- आयुर्वेद की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय हो सकेगा।
- स्वास्थ्य संरक्षण के सूत्रों से परिचित होंगे।
- वैदिक स्वास्थ्य चिन्तन से अवगत हो सकेंगे।

अनशंसित ग्रन्थ

- आयुर्वेद का प्रमाणिक इतिहास, डॉ0 भगवतराम गुप्त, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- चरक संहिता (सूत्र स्थान) चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- तैत्तिरीयोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर।

मोहनसिंह
21.09.2023

विश्वनाथ
21.9.2023

मोहनसिंह
21-9-23

मोहनसिंह
21/9/23

P. K. R.
21.9.23

मोहनसिंह
21.9.23

मोहनसिंह
21-9-23

मोहनसिंह
21/09/2023